HANDS ON

हिंदी सोपान

शिक्षक दर्शिका

(अभ्यास पुस्तिका)

4

saar
EDUCATION (I) PVT. LTD.

आपके द्वारा इस पुस्तक की ख़रीद से हम सम्मानित महसूस करते हैं और उसके लिए आपके आभारी हैं;

हमें आशा है कि यह पुस्तक आपके और आपके बच्चों के लिए मौखिक, लिखित व भावनिक अभिव्यक्ति का स्त्रोत बनेगी। हमें आपकी टिप्पणियों एंव सुझावों की प्रतिक्षा रहेगी।

इस पुस्तक में भावी संशोधनों हेतु अपने सुझाव हमें info@saarbooks.in पर भेजें व संपर्क करने में संकोच न करें।

परिकल्पना

सार एजुकेशन (I) प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई

ईमेल: info@saarbooks.in

आवरण योजना और चित्रांकन

सार एजुकेशन (I) प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई

प्रकाशन: सार एजुकेशन (I) प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई

मुद्रण: इंडिया बाइंडिंग हाउस, नोएडा (यूपी)

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक के किसी भी भाग का कॉपीराइट धारक, सार एजुकेशन (I) प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई की पूर्वलिखित अनुमति के बिना, कहीं भी, किसी भी रूप में अनुदित, इलैक्ट्रानिक तकनीक, कम्प्यूटर या फोटो प्रतिलिपी के माध्यम से पुनरुत्पादिता अथवा पुनर्मुद्रण प्रतिबंधित या वर्जित है। इन शर्तों के उल्लंघन पर बिना पूर्वसूचना के क़ानूनी कार्यवाई की जा सकती है।

विषय सूची

पाठ संख्या	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
1	नाव बनाओ नाव बनाओ (कविता)	4
2	नसीरुद्दीन का सबक	7
3	राष्ट्रीय पक्षी 'मोर'	11
4	व्यायाम का महत्व	13
5	खिलौनेवाला	15
6	अक्ल का कमाल	16
7	सूर्य	18
8	देश मेरा यह सबसे न्यारा	20
9	गधे से आदमी	22
10	हमारे त्योहार	25
11	वीर अभिमन्यु	28
12	घर की बगिया	30
13	तेल की बोतल	32
14	हम विशेष पर सक्षम	34
15	सच्चा साथी	36
16	कर्मठता	38

1. नाव बनाओ नाव बनाओ (कविता)

अभ्यास-प्रपत्र

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो -

पानी सचमुच खूब .....

लम्बी-चौड़ी ..... भरेगा

लाकर ..... नदी धरेगा

ऐसे में तुम भी .....।

भैया .....।।

2. बताओ इन्हें क्या कहते हैं?

(क) नाव चलाने वाला = ...

(ख) हवाई जहाज़ चलाने वाला = ...

(ग) पानी का जहाज़ चलाने वाला = ...

(घ) बस चलाने वाला = ...

3. उचित क्रिया शब्द भरकर वाक्य पूरे करो।

(क) भाई बाज़ार से कागज़ .....।

(ख) धीरे-धीरे काम क्यों कर रहे हो, जल्दी-जल्दी हाथ .....।

(ग) हम विद्यालय में ..... हैं।

(घ) आकाश में काले-काले बादल ..... गए।

(ङ) पक्षी ..... रहे हैं।

4. निम्नलिखित क्रिया शब्दों में एक-एक शब्द जोड़कर (नीचे दिए गए) वाक्य बनाओ -

लिखना	रुलाना	कूदना	सुनना

(क) खेलना - .....

.....

.....

(ख) पढ़ना - .....

.....

.....

(ग) हँसाना - .....

.....

.....

(घ) देखना - .....

.....

.....

5. पर्यायवाची शब्द लिखो-

(क) भाई ..... (ख) बादल .....

(ग) सागर ..... (घ) नदी .....

(ङ) नाव .....

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) 'सात समुंदर भर लाया' का क्या तात्पर्य है?

1. बहुत ज़्यादा पानी भरना।

2. सात समुंदरों से पानी भरना।

(ख) 'फिर बाज़ार लपक कर जाओ' का क्या तात्पर्य है?

1. एक छलाँग में बाज़ार पहुँच जाना।

2. सरपट बाज़ार जाना।

(ग) 'छप-छप कर कूड़े से अड़ती' से क्या सीख मिलती है?

1. वर्षा के समय सड़कों का कूड़ा पानी में तैरने लगता है, और बीमारियाँ फैल सकती हैं।

2. नाव को कूड़े से जूझकर आगे बढ़ने में बड़ा आनन्द आता है।

2. नसीरुद्दीन का सबक

अभ्यास-प्रपत्र

1. किस्सा पढ़ कर प्रश्नों के उत्तर दो–

मियाँ शेख चिल्ली

एक बार मियाँ शेख चिल्ली अपने मित्र के साथ जंगल में लकड़ियाँ काटने गए। एक बड़ा-सा पेड़ देखकर दोनों दोस्त उस पर लकड़ियाँ काटने के लिए चढ़ गए। मियाँ शेख चिल्ली अब लकड़ियाँ काटते-काटते लगे अपनी सोच के घोड़े दौड़ाने। उन्होंने सोचा कि मैं इस जंगल से ढेर सारी लकड़ियाँ काटूँगा, उन लकड़ियों को बाज़ार में अच्छे दामों में बेचूँगा। इस तरह मुझे काफ़ी धन-लाभ होगा।

उनकी सोच थोड़ी और आगे चली और वे सोचने लगे कि इस काम से मैं कुछ ही समय में अमीर बन जाऊँगा। फिर लकड़ियाँ काटने के लिए ढेर सारे नौकर रख लूँगा। काटी हुई लकड़ियों से फर्नीचर का व्यापार शुरू करूँगा। कुछ ही दिनों में मैं इतना बड़ा समृद्ध व्यापारी बन जाऊँगा कि नगर का राजा मुझसे राजकुमारी का विवाह करवाने के लिए खुद ही राज़ी हो जाएगा।

शादी के बाद हम घूमने जाएँगे और एक सुन्दर से बगीचे में राजकुमारी अपना हाथ मेरी तरफ बढ़ाएगी। ख्यालों में खोए हुए मियां शेख चिल्ली ऐसा सोचते-सोचते पेड़ की डाल छोड़कर हाथ आगे बढ़ाने लगते हैं तभी अचानक उनका संतुलन बिगड़ जाता है और वे धड़ाम से नीचे ज़मीन पर गिर पड़ते हैं। ऊँचाई से गिरने पर मियाँ शेख चिल्ली के पैर की हड्डी टूट जाती है और साथ-साथ उनके बिना सिर-पैर के ख्याली सपने भी टूटकर बिखर जाते हैं।

(क) शेख चिल्ली को क्या विशेषण दे सकते है?

1. बातूनी　　2. समझदार　　3. दिन में सपने देखने वाला

.....

.....

(ख) क्या शेख चिल्ली की सोच को ख्याली पुलाव भी कह सकते हैं?

.....

.....

(ग) शेख चिल्ली क्या था?

.....

.....

(घ) 'घोड़े दौड़ने लगे' का क्या तात्पर्य है?

1. घोड़ों का दौड़ना

2. बहुत तीव्रता से सोचना

.....

.....

(ङ) सोचने का क्या परिणाम निकला?

1. उनकी सोच में पुलाव था।

2. उनकी सोच केवल स्वप्न में थी, असलियत में नहीं।

3. उन्हें पुलाव सोच-सोचकर बनाना पसंद था।

.....

.....

(च) क्या शेख चिल्ली का सपना पूरा हुआ?

.....

.....

(छ) हमें इस कहानी से क्या सीख मिलती है?

.....

.....

2. समान अर्थ वाले शब्दों का मिलान करो -

(क) अध्यापक	अरण्य
(ख) कान	भोर
(ग) सुबह	शिक्षक

(घ) घोड़ा 4. कर्ण

(ङ) पक्षी 5. तुरंग

(च) जंगल 6. खग

3. अलग अर्थ वाले शब्दों पर गोला लगाओ।

(क)	अध्यापक	शिक्षक	उस्ताद	चेला
(ख)	जंगल	वन	घर	अरण्य
(ग)	कान	कर्ण	नाक	श्रुतिपट
(घ)	सुबह	प्रातः	सवेरा	रात
(ङ)	गधा	घोड़ा	तुरंग	अश्व
(च)	पक्षी	जानवर	पंछी	खग

4. विशेषण शब्दों को पहचान कर उसके नीचे रेखा खींचो।

(क) मेरे पास एक लाल कार थी। .....

(ख) कुछ नई दुकानें बंद हैं। .....

(ग) लम्बा लड़का विद्यालय नहीं आया। .....

(घ) दर्ज़ी को चार मीटर कपड़ा दो। .....

(ङ) नदी में कम पानी है। .....

5. समान लगने वाले शब्दों का वाक्य प्रयोग कर अर्थ समझाएँ।

(क) आचार – .....

.....

.....

(ख) अचार – .....

.....

.....

(ग) दशा – .....
.....
.....

(घ) दिशा – .....
.....
.....

(ङ) गधा – .....
.....
.....

(च) गदा – .....
.....
.....

6. हिन्दी भाषा में प्रयोग किए जाने कुछ शब्द ऐसे हैं जो मूलतः उर्दू भाषा के हैं। निम्नलिखित वाक्यों में उर्दू शब्दों को ढूँढकर उनके हिन्दी शब्द लिखिए।

(क) मेरे उस्ताद तड़के सैर पर जाते हैं।
.....
.....

(ख) बेअदबी से बात करने वाले के संग रहना बहुत कठिन है।
.....
.....

(ग) हर आदमी अमीर बनना चाहता है।
.....
.....

(घ) मुश्किलों से हमें सबक मिलता है।
.....
.....

3. राष्ट्रीय पक्षी 'मोर'

अभ्यास-प्रपत्र

1. नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्तस्थान भरो:-

(कीट-पतंगों, मुकुट, राष्ट्रीय, नृत्य, भारत, आकर्षक, अच्छा मित्र, पक्षी, मोरनी)

मोर भारत का ..... पक्षी है। यह एक बड़ा ..... है एवं इसके ..... रंगीन पंख काफ़ी लम्बे होते हैं। मोर के सिर पर ..... जैसी खूबसूरत कलगी होती है। इसकी लम्बी गर्दन पर सुन्दर नीला मखमली रंग होता है। यह ..... के सभी क्षेत्रों में पाया जाता है।

मोर नुकसानदायक ..... को खाता है और इसलिए यह किसानों का ..... होता है। मोर शब्द पुल्लिंग है तथा स्त्रीलिंग को ..... कहते हैं। मोर का नृत्य बहुत प्रसिद्ध है। नृत्य के समय मोर अपने पंख फैलाकर बहुत सुन्दर मगर धीमी गति से नृत्य करता है।

2. विलोम शब्द लिखो -

(क) सुंदर ..... (ख) सुबह .....

(ग) विस्मरणीय ..... (घ) स्वस्थ .....

(ङ) पालतू ..... (च) स्थायी .....

3. पर्यायवाची शब्द लिखो -

(क) सुंदर ..... (ख) सुबह .....

(ग) बरसात ..... (घ) पैर .....

(ङ) गाय ..... (च) स्थायी .....

4. वाक्य बनाओ -

(क) भिन्न-भिन्न - .....

.....

(ख) बीच-बीच - .....

.....

(ग) सुबह-सुबह - .....

.....

(घ) भाव-भंगिमा - .....

.....

(ङ) रंग-बिरंगे - .....

.....

(च) कीट-पतंगे - .....

.....

(छ) नदी-झरने - .....

.....

4. व्यायाम का महत्त्व

अभ्यास-प्रपत्र

1. नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर पूछें गए प्रश्नों के उत्तर दो -

योग एक प्राचीन कला है जिसकी उत्पत्ति भारत में लगभग 6000 साल पहले हुई थी। पहले समय में लोग अपने दैनिक जीवन में योग और ध्यान जीवनभर स्वस्थ और ताकतवर बने रहने के लिए किया करते थे। इस भीड़वाले व्यस्त वातावरण में योग करना दिन-प्रतिदिन कम होता जा रहा है। योग बहुत ही सुरक्षित क्रिया है और किसी के भी द्वारा किसी भी समय की जा सकती है यहाँ तक कि इससे बच्चे भी लाभ ले सकते हैं। योग वह क्रिया है, जिसके अन्तर्गत शरीर के विभिन्न अंगों को साथ लाकर शरीर, मस्तिष्क और आत्मा को सन्तुलित करने का एक अभ्यास किया जाता है। पहले समय में योग का अभ्यास ध्यान की क्रिया के लिए किया जाता था।

(क) योग की उत्पत्ति भारत में कब हुई थी?

.....

(ख) पहले समय में लोग अपने दैनिक जीवन में योग और ध्यान का प्रयोग क्यों किया करते थे?

.....

(ग) योग क्या है?

.....

(घ) ऊपर दिए गए अनुच्छेद में से क्रिया शब्द और विशेषण शब्द ढूँढकर लिखिए

क्रिया शब्द	विशेषण शब्द
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

2. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए –

(क) अग्नि .....

(ख) आम्र .....

(ग) गृह .....

(घ) नयन .....

3. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद करो: –

(क) स्वस्थ स् + व् + अ + स् + थ् + अ

(ख) लापरवाह + + + + + + + + +

(ग) नियमित + + + + + + +

(घ) महानगर + + + + + + + + +

(ङ) मानसिक + + + + + + +

4. 'अ' लगाकर नवीन शब्द बनाइए: –

(क) रुचि .....

(ख) स्वस्थ .....

(ग) समय .....

(घ) प्रसन्न .....

5. खिलौनेवाला

अभ्यास-प्रपत्र

1. वाक्य पूरा करो –

जिन शब्दों से काम के होने या करने का पता चलता है, उन्हें ..... कहते हैं।

2. नीचे दिए गए क्रिया शब्दों को रेखांकित करो –

(क) बच्चा रो रहा है।

(ख) दादा ने मोहन को टॉफ़ी दी।

(ग) हवा चल रही है।

(घ) हमें सच बोलना चाहिए।

(ङ) राधा दौड़ती है।

3. निम्नलिखित धातु से क्रिया शब्द बनाकर वाक्य बनाओ –

	धातु	क्रिया शब्द	वाक्य
(क)	खा	.....	.....
(ख)	गा	.....	.....
(ग)	सो	.....	.....
(घ)	पढ़	.....	.....
(ङ)	डर	.....	.....

4. 'वाला' प्रत्यय लगाकर पाँच शब्द बनाओ –

....

....

5. उचित स्थान पर चन्द्रबिन्दु लगाओ –

(क) जाऊ – .....

(ख) भगाऊ – .....

(ग) लूगा – .....

(घ) मा – .....

6. अक्ल का कमाल

अभ्यास-प्रपत्र

1. नीचे दी गई कहानी पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दो -

एक ब्राह्मण था। उसके चार पुत्र थे। उन चारों का आपस में बड़ा लगाव था। तीन शास्त्रों के प्रकांड ज्ञाता थे लेकिन चौथे ने कोई भी शास्त्र नहीं पढ़ा था लेकिन वह बहुत बुद्धिमान था जबकि उन तीनों ने शास्त्रों का अध्ययन किया था पर उनमें बुद्धि का अभाव था।

एक बार चारों भाइयों ने परदेश जाकर अपने-अपने ज्ञान द्वारा धन अर्जित करने का विचार किया और चारों चल पड़े। वो लोग मार्ग पर आगे बढ़ते रहे। रास्ते में एक जंगल आया। जंगल में एक जगह हड्डियों का ढेर था। उसे देखकर उन्होंने अपनी-अपनी विद्धा की परीक्षा लेने का निश्चय किया। उनमें से एक ने अपनी विद्धा के प्रयोग से हड्डियों के ढाँचे को सही आकार दे दिया और दूसरे ने अपनी विद्धा का प्रयोग कर उस पर खाल और माँस चढ़ा दिया और रक्तसंचार की व्यवस्था भी कर दी। तीसरा भाई अपनी विद्धा का प्रयोग कर उसमें प्राण डालने ही वाला था कि चौथे भाई ने कहा, "रुको, एक मरे हुए शेर की ये हड्डियाँ हैं अगर तुम लोगों ने इसे जीवित कर दिया तो यह हमें मार देगा।" इस पर तीसरे भाई ने उसे डाँटा और बोला कि "मैं अपनी विद्धा का सफल प्रयोग अवश्य करके देखूँगा।" इस पर चौथे भाई ने कहा, "थोड़ा रुको मुझे इस पेड़ पर चढ़ जाने दो, इसके बाद चाहो तो तुम ये कर लेना।" उसके पेड़ पर चढ़ जाने के बाद तीसरे भाई ने अपनी विद्धा के प्रयोग से शेर को पुनः जीवित कर दिया। शेर जीवित होते ही तड़प उठा क्योंकि वह भूखा था। शेर तीनों को मारकर खा गया और गरजता हुआ जंगल में चला गया।

(क) ब्राह्मण के तीन पुत्र कैसे थे?

.....

(ख) ब्राह्मण के पुत्र कहाँ जा रहे थे?

.....

(ग) जंगल में उन्हें क्या मिला?

.....

(घ) जीवित होने पर शेर ने क्या किया?

.....

(ङ) सबसे बुद्धिमान कौन था, कैसे?

.....

2. नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ –

(क) मैं – .....

.....

(ख) हम – .....

.....

(ग) वह – .....

.....

(घ) वे – .....

.....

(ङ) यह – .....

.....

(च) ये – .....

.....

3. निम्नलिखित वाक्यों में मुहावरों का प्रयोग करके खाली स्थान भरो –

(क) जंगल में शेर को सामने खड़ा देखकर मेरे ..... गए।

(ख) जब मेरे हाथ से भाई का पेन टूट गया तो वह ..... हो गया।

(ग) मेरी बहन इतनी तेज़ भागती है कि देखते ही देखते ..... हो जाती है।

(घ) कृष्णा रोज़ मेरा मज़ाक उड़ाता है, कल उसे ऐसा ..... कि नानी याद आ जाएगी।

अभ्यास-प्रपत्र

1. कविता पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

सूरज पर कविता

चिड़ियों ने जब चूँ-चूँ बोला पूरब ने अपना मुँह खोला।

उदयाचल अपने कँधे पर ले आया सूरज का डोला।

पीपल पर कोयल चिल्लाई तब कौओं को भी सुध आई।

काँव-काँव कहकर चिल्लाए उठो सवेरा फूलों पर भौंरे मँडराए,।

गाय रंभाने लगी सार में खड़ा बिजूक हँसा हार में।

नौकर सारे लगा दिए हैं मालिक ने फिर से बिगार में।

चौराहों पर खड़ी हो गई वरदी में बच्चों की टोली।

आओ बच्चों! जल्दी बैठो जाना है शाला, बस बोली।

(क) सूरज निकलने पर क्या होता है?

.....

(ख) कौओं को कब सुध आई?

.....

(ग) बच्चों को जल्दी क्यों उठाया?

.....

(घ) बच्चों की टोली कहाँ खड़ी हो गई?

.....

2. 'दाता' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाओ –

(क) अन्न + ...

(ख) कर + ...

(ग) जन्म + ...

(घ) दान + ...

(ङ) जीवन + ...

3. वाक्य बनाओ –

(क) मक्खी–मच्छर – .....

.....

(ख) कीड़े-मकौड़े – .....

.....

(ग) शाक–सब्ज़ी – .....

.....

(घ) फूल–पत्तियाँ – .....

.....

(ङ) हरे–भरे – .....

.....

4. पर्यायवाची शब्द लिखो –

(क) सूर्य ....

(ख) समुद्र ....

(ग) धरती ....

(घ) हवा ....

(ङ) पानी ....

8. देश मेरा यह सबसे न्यारा

अभ्यास-प्रपत्र

1. विशेषण शब्दों को रेखांकित करो -

(क) शिमला में ऊँची-ऊँची पहाड़ियाँ हैं।

(ख) लाल अनार खून बढ़ाता है।

(ग) अँधेरी रात को अमावस्या कहते हैं।

(घ) मुझे गोल रोटी अच्छी लगती है।

(ङ) चिड़ियाँ मीठे गीत सुनाती हैं।

2. रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पुन: लिखिए -

(क) सड़क चौड़ी है। .....

(ख) आसमान में पतंगे उड़ रही हैं .....

(ग) घंटियाँ बज रही हैं .....

(घ) झूला बहुत ऊँचा है .....

3. वाक्य बनाओ -

(क) बच्चा-बच्चा - .....

.....

(ख) सर-सर - .....

.....

(ग) लम्बी-लम्बी - .....

.....

(घ) ऊँचे-ऊँचे – .....

.....

(ङ) बारी-बारी – .....

.....

(च) झर-झर – .....

.....

9. गधे से आदमी

अभ्यास-प्रपत्र

1. गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

पहाड़ी गाँवों में अक्सर बाघ का डर बना रहता है। जंगल कटने के कारण शिकार की तलाश में बाघ कभी-कभी गाँव तक पहुँच जाता है। गेंवली गाँव में एक बार यही हुआ। एक बाघ ने गाँव में घुसकर एक गाय को मार डाला। सुबह होते ही यह खबर पूरे गाँव में फैल गई। गाँव के लोग डर गए कि यह बाघ कहीं फिर से आकर दूसरे पालतू जानवरों और किसी आदमी को ही अपना शिकार न बना ले। गाँव के लोग गोपाल आश्रम गए और उन लोगों ने मीरा बहन को अपनी चिंता बताई।

गाँव के लोगों ने अंत में तय किया कि बाघ को कैद कर लिया जाए। उसे कैद करने के लिए उन्होंने एक पिंजड़ा बनाया। पिंजड़े के अंदर एक बकरी बाँधी। योजना यह थी कि बकरी का मिमियाना सुनकर बाघ पिंजड़े की तरफ़ आएगा। पिंजड़े का दरवाज़ा इस प्रकार खुला हुआ बनाया गया था कि बाघ के अंदर घुसते ही वह दरवाज़ा झटके से बंद हो जाए। शाम होने तक पिंजड़े को ऐसी जगह पर रख दिया गया जहाँ बाघ अक्सर दिखाई देता था। यह जगह मीरा बहन के गोपाल आश्रम से ज़्यादा दूर नहीं थी। रात बीती। सुबह की रोशनी होते ही लोग पिंजड़ा देखने निकल पड़े। उन्होंने दूर से देखा कि पिंजड़े का दरवाज़ा बंद है। वे यह सोचकर बहुत खुश हुए कि बाघ ज़रूर पिंजड़े में फँस गया होगा लेकिन जब वे पिंजड़े के पास पहुँचे तो क्या देखते हैं कि पिंजड़े में बाघ नहीं था!

(क) बाघ गाँव में क्यों आते थे?

.....

(ख) बाघ ने किसे मार डाला था?

.....

(ग) पूरे गाँव में क्या खबर फैल गई थी?

.....

(घ) लोगों ने किसे अपनी चिंता बताई?

.....

(ङ) पिंजड़े के अन्दर किसे बाँधा गया था?

.....

(च) पिंजड़े को कहाँ रखा गया था?

.....

2. नीची दिए गए द्वित्व व्यंजनों से बनने वाले तीन-तीन शब्द लिखो –

(क) स्सी ....

(ख) न्न ....

(ग) च्च ....

(घ) प्प ....

(ङ) त्त ....

3. नीचे दिए गए वाक्यों को प्रश्न में बदलिए –

(क) उसका गधा पेड़ से बँधा है। – पेड़ से उसका गधा बँधा है?

(ख) उस पर चार घड़े लदे हैं। – .....

(ग) बूढ़ा मेले में घड़े बेचने जा रहा है। – .....

(घ) मेरे मुँह में पानी आ रहा है। – .....

4. विलोम शब्द लिखो –

(क) जवाब – .....

(ख) बूढ़ा – .....

(ग) उतरना – .....

(घ) गरीब – .....

(ङ) धीरे – .....

5. 'बे' उपसर्ग लगाकर नवीन शब्द लिखो–

(क) ..... + कार = ...

(ख) ..... + चारा = ...

(ग) ..... + अक्ल = ...

(घ) ..... + होश = ...

(ङ) ..... + शर्म = ...

10. हमारे त्योहार

अभ्यास-प्रपत्र

1. बताओ कि कौन-सा त्योहार कैसे मानते हैं -

दिवाली .....

.....

.....

.....

.....

.....

ईद .....

.....

.....

.....

.....

.....

बैसाखी .....

.....

.....

.....

.....

.....

होली .....

.....

.....

.....

.....

.....

क्रिसमस .....

.....

.....

.....

.....

.....

2. 'ता' प्रत्यय लगाकर नवीन शब्द बनाओ –

(क) राष्ट्रीय + ता .....

(ख) नवीन + ता .....

(ग) वास्तविक + ता .....

(घ) स्वच्छ + ता .....

(ङ) सफल + ता .....

(च) सुंदर + ता .....

3. त्योहारों के महत्व पर एक अनुच्छेद लिखो –

.....

.....

11. वीर अभिमन्यु

अभ्यास-प्रपत्र

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नो के उत्तर दीजिए -

रात के अँधेरे में घर में घुसे चोरों के देखकर बड़ों की भी हिम्मत जवाब दे जाती है तो बच्चे तो आखिर बच्चे ही हैं। लेकिन केशव ने चोरों से डरना नहीं सीखा है। पड़ोस के घर में घुसे चोरों को देखकर बिना डरे केशव ने शोर मचाकर एक बड़ी घटना होने से बचा ली। पिछले साल 13 नवंबर की बात है। जगतपुरी के रहने वाले प्रवेश कुमार के घर पर कोई नहीं था, सभी लोग घर में ताला लगाकर कहीं गए हुए थे। मौका देखकर कुछ चोरों ने उस घर का ताला तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की। इतनी देर में सामने के घर में रहने वाले 11 साल के केशव ने चोरों को देख लिया। केशव ने बिना कुछ सोचे ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं जब वे भागने लगे तो कुछ दूरी तक केशव ने उनका पीछा भी किया। लोगों के इकट्ठा होते-होते चोर भाग खड़े हुए।

(क) केशव कौन था?

.....

(ख) हिम्मत जवाब देना मुहावरे का क्या अर्थ है?

.....

(ग) यह घटना कब की है?

.....

(घ) चोर कैसे भाग गए?

.....

(ङ) इस घटना से क्या सीख मिलती है?

.....

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए –

(क) गर्व – .....

(ख) युद्ध – .....

(ग) धनुर्धर – .....

(घ) जीवित – .....

(ङ) धीरे – .....

(च) ज्ञात – .....

(छ) प्रशंसा – .....

3. नीचे दिए गए शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए–

(क) अभिमन्यू – .....

(ख) धनूर्धर – .....

(ग) चक्रव्युह – .....

(घ) युधष्ठिर – .....

(ङ) सैनीक – .....

12. घर की बगिया

अभ्यास-प्रपत्र

1. अवतरण के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

वृक्ष जितने बड़े और घने होते हैं, उनका काम भी उतना ही कठिन होता है। इनकी हरियाली आँखों को ठंडक पहुँचाती है। इनसे हमें छाया, शुद्ध हवा, फल, फूल, लकड़ियाँ आदि मिलते है।

पेड़ों के कारण बरसात भी होती है। अनेक प्रकार के पक्षी इन पर घोंसले बनाकर रहते हैं। घरों और बगीचों की सुंदरता पेड़-पौधों से बढ़ती है। इतना सब कुछ देने के बावजूद पेड़-पौधे हमसे बदले में कुछ भी नहीं लेते। इनसे सीख लेकर हमें भी दूसरों की भलाई करनी चाहिए।

(क) पेड़ों से हमें क्या-क्या चीज़ें मिलती हैं?

.....

(ख) पेड़ों के कारण क्या होता है?

.....

(ग) पक्षी कहाँ घोंसला बनाते हैं?

.....

(घ) हमारी आँखों को कौन ठंडक पहुँचाता है?

.....

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक छाँटकर लिखिए।

.....

2. नीचे दिए गए शब्दों से कविता पूरी करो-

(नमी अंकुरित जमीं प्यार कच्चा वर्षा)

अभी मुझे मेरे हाल पर

..... पर पड़ा रहने दो

बच्चा हूँ अभी ..... हूँ

..... से मेरी ओर देखकर

मुझे जमीं की ..... में दबा रहने दो

..... का आगमन होने तो दो

और रवि की किरण मुझ पर पड़ने तो दो

एक गरीब कृषक ने छोड़ा है जमीं पर

..... होने में ज़्यादा समय नहीं लगाऊँगा

3. विलोम शब्द लिखो -

(क) खुशबू - .....

(ख) बाढ़ - .....

(ग) पसंद - .....

(घ) नन्हा - .....

4. वर्ण विच्छेद करो -

(क) पौधे - .....

(ख) जल - .....

(ग) बरखा - .....

(घ) पत्ता - .....

(ङ) बगिया - .....

13. तेल की बोतल

अभ्यास-प्रपत्र

1. खाली स्थान भरो -

(क) एक गाँव में एक ..... रहता था।

(ख) मोहन ..... और नरेश अपनी माँ ..... के साथ रहते थे।

(ग) माँ ने मोहन को ..... लेने दुकान पर भेजा।

(घ) तीनों लड़के ..... थे।

(ङ) माँ के चेहरे पर ..... का भाव था।

2. रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखो -

(क) सूरज पूर्व दिशा से उदय होता है और पश्चिम दिशा में ..... होता है।

(ख) आशा खुशियाँ लाती है और ..... हमें दुखी कर देती है।

(ग) बड़ों से सीखो क्या उचित है और क्या ..... है।

(घ) मेरा भाई विदेश में रहता है और मैं ..... में रहता हूँ।

(ङ) वह सुबह घर से निकलता है और ..... को घर पहुँचता है।

3. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाओ -

(क) डरपोक - .....

.....

(ख) ढीला-ढाला - .....

.....

(ग) ईमानदार - .....

.....

(घ) चतुर – .....

.....

(ङ) आशावादी – .....

.....

4. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दो।

प्रकृति हमें कई माध्यमों से धैर्य का पाठ पढ़ाती है। एक नन्ही-सी चींटी सिखाती है कि धैर्य के साथ आगे बढ़ो, मंजिल तक पहुँच ही जाएँगे। दस में से नौ बार असफल होने के बाद भी दाना लेकर अपने बिल तक पहुँच ही जाती है।

कबीरदास जी कहते हैं-

"धीरे-धीरे रे मना धीरे सब कुछ होय।

माली सिंचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।।"

इसका आशय है कि एक बीज को पौधा बनने में एवं फल देने में समय लगता है जिसका हम सभी को धैर्य के साथ इंतज़ार करना चाहिए। किन्तु धैर्य का मतलब ये कदापि न समझे कि कर्म करना बंद कर सिर्फ़ इंतजार करें, क्योंकि कर्म तो जीवन की अनिवार्य प्रक्रिया है। बीज को पानी एवं खाद की भी आवश्यकता होती है सिर्फ़ बीज बो देने से ही फल नहीं मिलता। जीवन की इसी सच्चाई को हमें समझना चाहिए और अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक पाने के लिये धैर्य के साथ निरंतर प्रयास करना चाहिए। धैर्य तो वह तत्व है जो हमें श्रेष्ठ बनाता है।

(क) एक नन्ही सी चींटी हमें क्या सिखाती है?

.....

(ख) कबीरदास जी का क्या कहना है?

.....

(ग) बीज को और किस-किस चीज़ की आवश्यकता होती है?

.....

(घ) अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक पाने के लिए क्या करना चाहिए?

.....

14. हम विशेष पर सक्षम

अभ्यास-प्रपत्र

1. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दो -

जीवन में हम सभी सफलता के बहुत सपने देखते हैं और उसके लिए कड़ी मेहनत भी करते हैं लेकिन कभी-कभी लक्ष्य बड़ा होने के कारण इन सपनों को साकार होने में लंबा वक्त भी लगता है और कई बार भाग्य भी हमें आज़माता है। बार-बार मिल रही नाकामयाबी से कई बार मन करता है कि अब छोड़ दूँ यह सब, हार ही मान लूँ, यह सब अब मेरे बस का नहीं। तब एक बात याद रखना हार मान लेने से कुछ भी हासिल नहीं होगा लेकिन एक और कोशिश आपको सफलता दिला सकती है। एक और कोशिश आपको अपने सपनों का जीवन दे सकती है, एक और प्रयास आपकी सारी मेहनत, बलिदान और संघर्ष की कीमत चुका सकता है ।

इसलिए अपने जीवन में कभी हार मत मानो और बार-बार प्रयास करते रहो । रुक जाना नहीं तू कहीं हार के, काँटों पे चल के मिलेंगे साये बहार के ओ राही।

(क) जीवन में हम सभी सफलता के लिए क्या-क्या करते हैं?

.....

(ख) बार-बार मिल रही नाकामयाबी से मन क्या करने का करता है?

.....

(ग) हमें सफलता कैसे मिलती है?

.....

2. रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखो -

(क) <u>धोबी</u> कपड़े धो रहा है। - .....

(ख) <u>रानी</u> बहुत दयालु थी। - .....

(ग) <u>दुल्हा</u> आ गया। - .....

(घ) <u>अध्यापक</u> जी पढ़ा रहे हैं। - .....

3. विशेषण शब्दों पर रेखा खींचो-

(क) मैं अजीबो-गरीब लड़की हूँ।

(ख) तुम्हारी पहिया कुर्सी के कारण लोग ऐसा व्यवहार करते हैं।

(ग) राधा एक किलो चीनी लाने बाज़ार गई थी।

(घ) राधा के हाथ में लाल थैला था।

4. अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करो -

(क) बिचारि - .....

(ख) सिडिया - .....

(ग) ववहार - .....

(घ) परीचय - .....

(ङ) दूकानदार - .....

15. सच्चा साथी

अभ्यास-प्रपत्र

1. अवतरण को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

नीम का पेड़ बहुत अच्छा होता है। उसकी दातुन बड़ी अच्छी रहती है। घर में कोई बीमार हो, तो लोग नीम की टहनियाँ दरवाज़े पर लटका देते हैं। मेरे पास नीम का पेड़ हो तो मैं उसकी टहनियाँ बेचकर पैसा कमाता और पेड़ मुझे ठंडी छाँह भी देता।

अगर मेरे पास रबड़ का पेड़ होता, तो मैं अपना चाकू निकालकर पेड़ की छाल में एक चीरा लगा देता। चीरे के तले में एक प्याला रख देता। पेड़ के दूधिया रस को मैं एक प्याले में भर लेता। रस को पकाकर मैं रबड़ बना लेता। रबड़ मैं बेच देता। रबड़ से लोग गुब्बारे, टायर और तरह-तरह की चीज़ें बनाते हैं।

(क) घर में कोई बीमार होता है तो लोग क्या करते हैं?

.....

(ख) अगर लेखक के पास नीम का पेड़ होता तो वह उसका क्या करता?

.....

(ग) लेखक दूधिया रस से पकाकर क्या बना लेता?

.....

(घ) रबड़ से लोग क्या-क्या बनाते हैं?

.....

2. नीचे दिए गए संज्ञा शब्दों के आगे विशेषण शब्द लिखिए -

(क) ..... नारियल

(ख) ..... बरगद

(ग) ..... चेहरा

(घ) ..... फल

(ङ) ..... तना

(च) ..... पत्ते

3. निम्नलिखित शब्दों के दो अर्थ है, दोनों अर्थों से एक-एक वाक्य बनाओ -

(क) आम - .....

(ख) आम (साधारण) - .....

(ग) फल - .....

(घ) फल (परिणाम) - .....

(ङ) मन - .....

(च) मन (वजन) - .....

4. एकवचन से बहुवचन बनाओ -

(क) प्याला - .....

(ख) टोकरी - .....

(ग) रस्सी - .....

(घ) जटा - .....

(ङ) थाली - .....

16. कर्मठता

अभ्यास-प्रपत्र

1. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

कर्म करना जीवन है तो कर्म का न करना मृत्यु। श्रम न करने से ही जीवन नर्क बनता है और कर्म करने से स्वर्ग। ईमानदारी से श्रम करने से मानव फरिश्ता कहलाता है और श्रम न करने से शैतान। जैसा कि, कहा भी गया है 'खाली दिमाग शैतान का घर होता है।' श्रम दो प्रकार का होता है– शारीरिक तथा मानसिक। किसी वस्तु, अर्थ (धन) अथवा उद्देश्य की प्राप्ति के लिए किए गए प्रयत्न का नाम श्रम है।

श्रम अपने आप में ही एक लक्ष्य है। श्रम करके चित्त प्रसन्न होता है। देह तंदरुस्त रहती है। व्यक्ति उन्नति करे तो परिवार और समाज में सम्मान मिलता है। किन्तु ऐसा कभी नहीं होता कि व्यक्ति श्रम करे और वह उन्नति न करे। श्रम करने वाला व्यक्ति सदैव उन्नति करता है।

उत्तर दो -

(क) कर्म करना जीवन है तो कर्म का न करना क्या है?

.....

(ख) जीवन नर्क और स्वर्ग कैसे बनता है?

.....

(ग) श्रम कितने प्रकार का होता है?

.....

(घ) कौन उन्नति करता है?

.....

2. विशेषण शब्द रेखांकित करो-

(क) मशहूर जुलाहा, (ख) भारी मेहनत (ग) मज़बूत इरादा

(घ) छोटे प्राणी (ङ) लम्बी आयु

3. नीचे दिए गए मुहावरों से खाली स्थान भरो –

(हिम्मत न हारना, छुट्टी कर देना, मन में ठानना, पाँव फूँक-फूँक कर रखना)

(क) मैंने ..... लिया है कि मैं परीक्षा में प्रथम आकर रहूँगा।

(ख) ठोकर खाने के बाद अब तो .....।

(ग) विराट कोहली ने क्रिकेट में सबकी .....।

(घ) .....ही सफलता की निशानी है।

4. 'कर्मठता' पर पाँच पंक्तियाँ लिखो –

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....